सवादी खा, नमस्ते!

विश्व हिन्दू परिषद, एसोसिएशन थाईलैंड के अध्यक्ष श्री सुशील सरार्फ जी, खुन छायावुत चनथौन (गर्वनर रच्छाबुरी), खुन जिरास्क चूक्कामडी (उप महानिदेशक- रायल थाई वन विभाग), खुन बुनयिंग नितिकन्चना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अशोक कुमार चावला जी , समस्त पदाधिकारी गण I

रच्छाबुरी की इस पावन धरती पर आयोजित 13 वें गणेश महोत्सव- २०२० में आप सभी के बीच मैं अपने आप को आनंदित महसूस कर रही हूं ।

शिवपुराण में भाद्रपद मास के कृष्णपक्ष की चतुर्थी को मंगलमूर्ति गणेश की अवतरण -तिथि बताया गया है l 10 दिनों तक चलने वाले इस पावन पर्व का समापन चतुर्दशी को गणेश विसर्जन के साथ होता है। गणपति आदिदेव हैं जिन्होंने हर युग में अलग अवतार लिया।उनकी शारीरिक संरचना में भी विशिष्ट व गहरा अर्थ निहित है। शिवमानस पूजा में श्री गणेश को प्रणव (ॐ) कहा गया है। गणेशजी के अनेक नाम हैं लेकिन ये 12 नाम प्रमुख हैं- सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्णक, लंबोदर, विकट, विघ्न-नाश, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन। उपरोक्त द्वादश नाम नारद पुराण में पहली बार गणेश के द्वादश नामावली में उल्लेखित है।

थाईलैंड में गणेश को फरा फिकानेथ या फरा फिकानेसुआन कहा जाता है। उन्हें भाग्य और सफलता के देवता के रूप में पूजा जाता है, जो बाधाओं का निवारण करते हैं। वे कला, शिक्षा और व्यापार से जुड़े हैं। थाईलैंड में ललित कला विभाग के प्रतीक के रूप में गणेश की प्रतिमा थाई संस्कृति पर इसके विशेष प्रभाव को दर्शाती हैं। वे अग्रपूज्य , गणों के ईश गणपति ,समृद्धि और बुद्धि के देवता , स्वस्तिक रूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। उनके स्मरण मात्र से ही संकट दूर होकर शांति और समृद्धि आ जाती हैI

वैश्विक महामारी के इस कठिन समय में हम सभी की जीवन शैली बदल गई है। एक अदृश्य से वायरस ने मानव के इस मिथक को तोड़ दिया है कि प्रकृति मनुष्य के अधीन है। जलवायु परिवर्तन की तरह इस महामारी ने विश्व समुदाय के प्रत्येक सदस्य के मन में यह चेतना जागृत की है कि प्रत्येक सदस्य की नियति एक दूसरे से जुड़ी हुई है। इस प्रकार की समस्या का समाधान आपसी सहयोग और तकनीक के साझा प्रयासों से ही सम्भव हैI

लगभग 30 वर्षो से समाज सेवा और भारतीय संस्कृति के प्रसार -प्रचार के कार्यों में थाईलैंड में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके इस संगठन ने श्री सुशील सरार्फ जी द्वारा वर्ष 2007 में अध्यक्ष पद ग्रहण करने के बाद से भारतीय संस्कृति की आत्मा स्वरूप जन महोत्सवों , जिसमें होली, हिन्दू नववर्ष और गणेश महोत्सव का आयोजन वृहद स्तर पर किया जाना एक सराहनीय प्रयास है। विश्व हिन्दू परिषद , एसोसिएशन थाईलैंड और एकल फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित आज इस पावन अवसर पर वृक्षारोपण और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को स्कॉलरशिप एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया जाना , संगठन और भारतीय संस्कृति के जन कल्याण के मूल मंत्र को प्रतिबिंबित करता है।
खापुन खा, धन्यवाद।